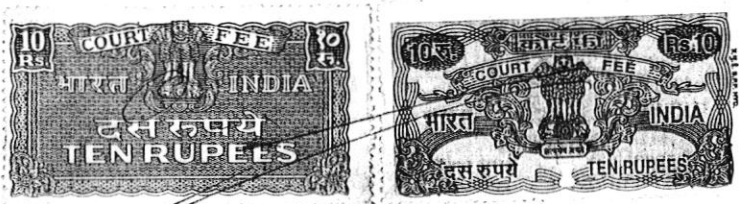


235

न्यायालयश्रीमान रागस्व मण्डल ज्वा लियर म.प्र.

683  
27-9-14



Rs. 20/-

R-3494-III/14

शंकर दत्त तिवारी पिता श्री प्रियसम्पति राम तिवारी,  
निवासी मझुरिहा, तह. ह्युमना, जिला-रीवा म.प्र. -- आवेदक  
बनाम

अकेश्वर प्रसाद तिवारी तनय प्रियसम्पति राम तिवारी, नि.  
मझुरिहा, तह. ह्युमना, जिला-रीवा म.प्र. --- अना.

श्री... श्रीमती तिवारी  
समय नाच दिनांक.. 27-9-14  
मझुरिहा तहसील  
रीवा  
सिद्ध  
सिद्धि कोर्ट रीवा

माननीय तहसीलदार ह्युमना, के प्रकरण क्र.  
17 /अ-3 /13-14 आदेश दि. 16.7.14 के  
विरुद्ध निगरानी अंतर्गत धारा 50 म.प्र.  
भू-रा.सं. सन् 1957 ई.

मान्यवर,

निगरानी के आधार निम्न है:-

1. यह कि अधीनस्थ न्यायालय का आदेश विधि एवं प्रक्रिया के विपरीत होने से निरस्त किये जाने योग्य है ।
2. यह कि पूर्व में हुये नक्शा तरमीम को अधीनस्थ न्यायालय ने संशोधन का आवेदन पत्र प्रस्तुत होने पर निरस्त कर दिया जो कि विधि प्रक्रियाके विपरीत है, एवंकतई स्थिर रखे जाने योग्य नहीं है ।
3. यह कि जबकि आपसी बंटवारा मुल्ली के आधार पर पूर्व में नक्शा तरमीम किया गया था, उक्त बंटवारा मुल्ली में भूमि के संबंध में

A

3245  
पोस्ट द्वारा प्राप्त  
29-9-14  
सिद्धि कोर्ट रीवा

क्रमशः •

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश ग्वालियर  
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-अ

मामला क्र०-R.3494-III/14

जिला-रीवा

शंकरदत्त तिवारी / ओंकारेश्वर प्रसाद

| (1)      | (2)  | (3)  |
|----------|--|------|
| 22.08.17 | <ol style="list-style-type: none"><li>1. प्रकरण प्रस्तुत।</li><li>2. आवेदक तथा उनके अधिवक्ता की पुकार करायी गयी किन्तु सूचना उपरांत लगाता उपस्थित नहीं है।</li><li>3. अनावेदक की ओर से उनके अभिभाषक श्री रामनरेश मिश्रा एड० उपस्थित।</li><li>4. चूकि आवेदक तथा अभिभाषक सूचना उपरांत उपस्थित नहीं है। अतः संहिता की धारा-35(2) के तहत प्रकरण अदम पैरवी में खारिज किया जाता है।</li><li>5. आदेश की प्रति के साथ अधीनस्थ न्यायालय का रिकार्ड वापस किया जाये, तत्पश्चात प्रकरण पंजी से समाप्त होकर दा.द. हो।</li></ol> <p style="text-align: right;">सदस्य</p> | रीवा |